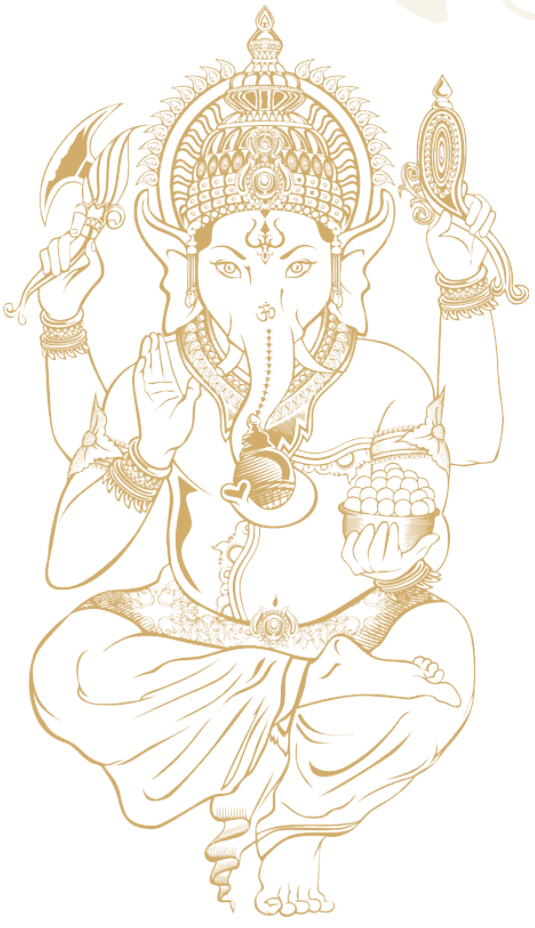

Darsan Nayak

Vishakha Pateriya

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121895401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121895401 Date: 11/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/11/1999	जन्म तिथि	12-13/03/2001
शुक्रवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 08:50:00	जन्म समय	01:35:00 घंटे
घटी 05:45:05	जन्म समय(घटी)	47:56:13 घटी
India	देश	India
Rath	स्थान	Sagar
25:36:00 उत्तर	अक्षांश	22:38:00 उत्तर
79:34:00 पूर्व	रेखांश	75:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:11:44	स्थानिक संस्कार	-00:27:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:31:57	सूर्योदय	06:39:21
17:22:20	सूर्यास्त	18:35:11
23:51:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:09

धनु	लग्न	धनु
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मीन	राशि	तुला
गुरु	राशि-स्वामी	शुक्र
उ०भाद्रपद	नक्षत्र	स्वाति
शनि	नक्षत्र स्वामी	राहु
1	चरण	2
वज्र	योग	ध्रुव
वणिज	करण	बव
दू-दूधेश्वर	जन्म नामाक्षर	रे-रेणुका
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
गौ	योनि	महिष
मनुष्य	गण	देव
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 15वर्ष 5मा 28दि		01:52:08	धनु	लग्न	धनु	03:25:16	राहु 12वर्ष 11मा 14दि	
बुध		02:29:13	वृश्चि	सूर्य	कुंभ	28:26:22	गुरु	
18/05/2015		05:47:38	मीन	चंद्र	तुला	10:24:13	24/02/2014	
17/05/2032		00:41:58	मक	मंगल	वृश्चि	18:54:40	24/02/2030	
बुध	14/10/2017	25:11:41	तुला व	बुध	कुंभ	01:02:41	गुरु	14/04/2016
केतु	11/10/2018	02:49:16	मेष व	गुरु	वृष	10:44:00	शनि	26/10/2018
शुक्र	11/08/2021	17:02:10	कन्या	शुक्र व	मीन	23:33:46	बुध	31/01/2021
सूर्य	17/06/2022	18:50:54	मेष व	शनि	वृष	02:09:24	केतु	07/01/2022
चन्द्र	17/11/2023	12:44:52	कर्क व	राहु व	मिथु	18:49:55	शुक्र	07/09/2024
मंगल	13/11/2024	12:44:52	मक व	केतु व	धनु	18:49:55	सूर्य	26/06/2025
राहु	02/06/2027	19:19:04	मक	हर्ष	मक	28:42:14	चन्द्र	26/10/2026
गुरु	07/09/2029	08:05:51	मक	नेप	मक	13:59:24	मंगल	02/10/2027
शनि	17/05/2032	15:57:17	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:24:08	राहु	24/02/2030

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:51:04 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:09

लग्न-चलित

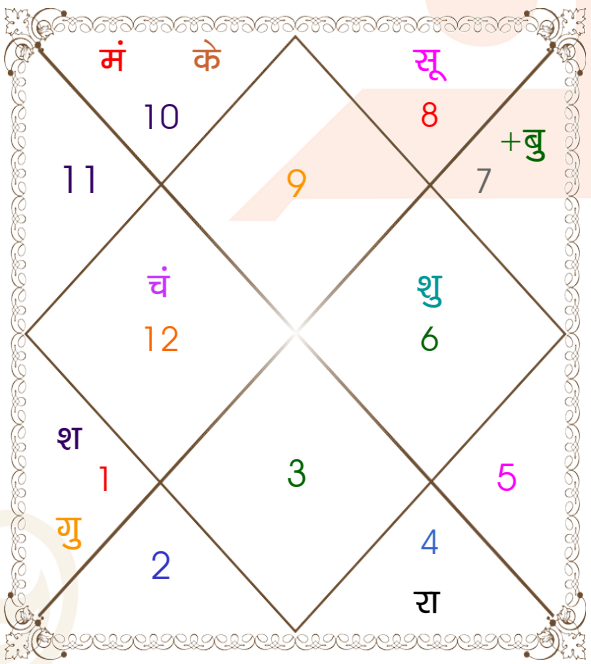

लग्न-चलित

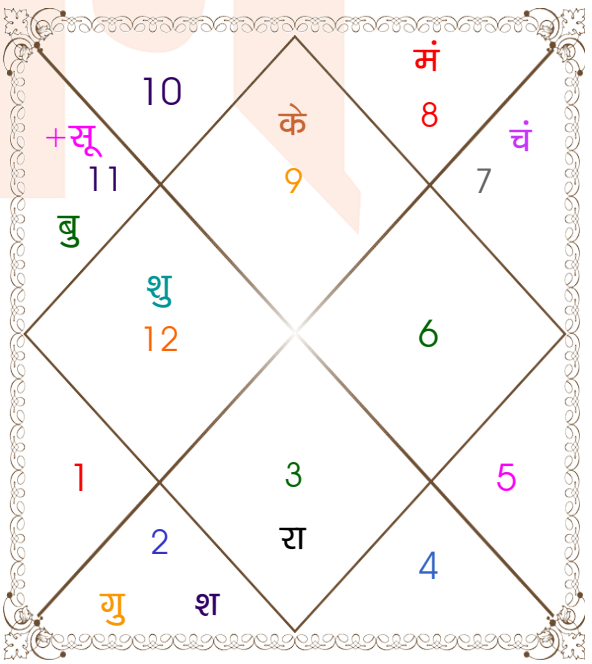

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

कुल : **20 / 36**

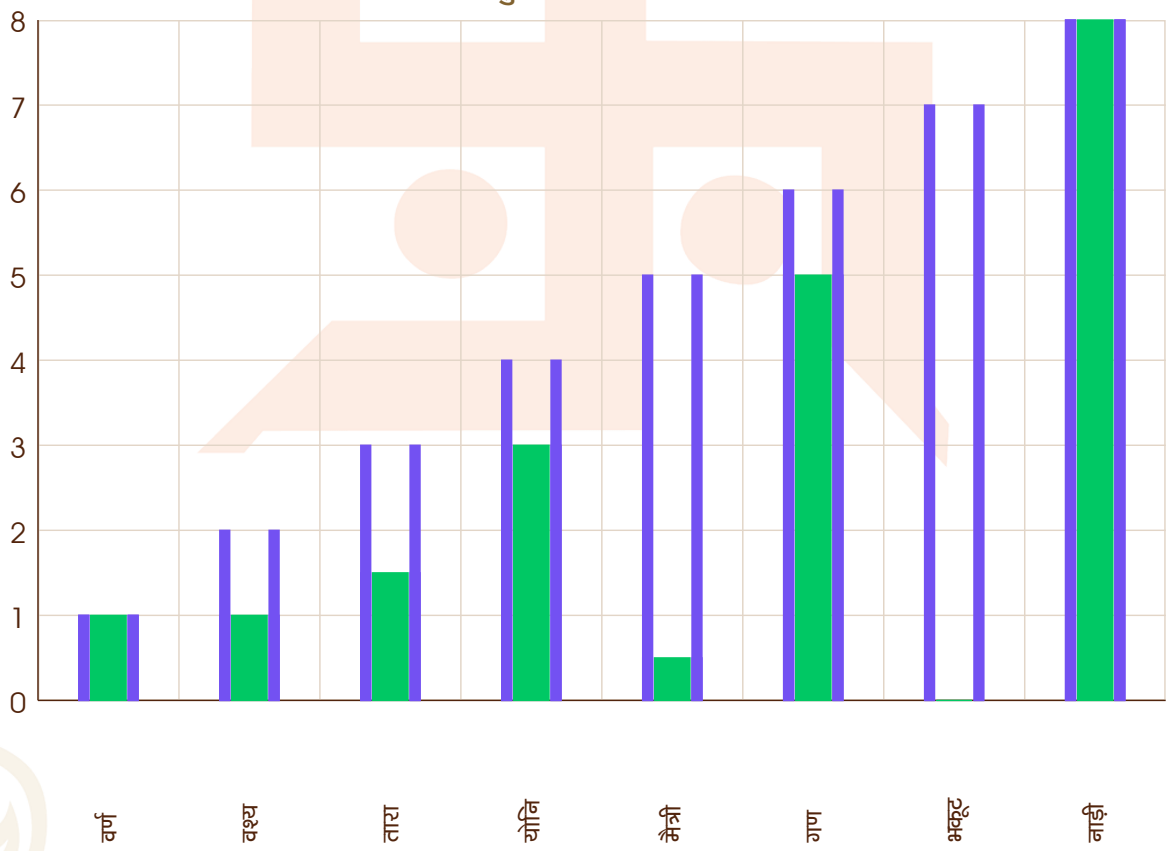

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Darsan Nayak का वर्ग सर्प है तथा टर्पीाी च्जमतपलं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Darsan Nayak और टर्पीाी च्जमतपलं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Darsan Nayak मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

टर्पीाी च्जमतपलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल टर्पीाी च्जमतपलं कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ष्;थ्डम्गांवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल टर्पीाी च्जमतपलं कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Darsan Nayak तथा टर्पीाी च्जमतपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Darsan Nayak का वर्ण ब्राह्मण तथा टप्रीीं च्ंजमतपलं का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। टप्रीीं च्ंजमतपलं सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। टप्रीीं च्ंजमतपलं एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Darsan Nayak का वश्य जलचर है एवं टप्रीीं च्ंजमतपलं का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में टप्रीीं च्ंजमतपलं अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Darsan Nayak उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Darsan Nayak की तारा विपत तथा टप्रीीं च्ंजमतपलं की तारा मित्र है। Darsan Nayak की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Darsan Nayak एवं Darsan Nayak के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि टप्रीीं च्ंजमतपलं हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर टप्रीीं च्ंजमतपलं को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Darsan Nayak की योनि गौ है तथा टप्रीीं च्ंजमतपलं की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के

कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Darsan Nayak का राशि स्वामी टर्पोंीं च्ंजमतपलं के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि टर्पोंीं च्ंजमतपलं का राशि स्वामी Darsan Nayak के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Darsan Nayak का गण मनुष्य तथा टर्पोंीं च्ंजमतपलं का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में टर्पोंीं च्ंजमतपलं सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर Darsan Nayak व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण Darsan Nayak अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

Darsan Nayak से टर्पोंीं च्ंजमतपलं की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा टर्पोंीं च्ंजमतपलं से Darsan Nayak की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Darsan Nayak एवं टर्पोंीं च्ंजमतपलं दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। Darsan Nayak शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर टर्पोंीं च्ंजमतपलं बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Darsan Nayak की नाड़ी मध्य है तथा ट्पीीी च्जमतपलं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Darsan Nayak एवं ट्पीीी च्जमतपलं के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Darsan Nayak की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा टर्पीीी च्जमतपलं की राशि वायु तत्व युक्त तुला है। जल एवं वायु तत्व के प्रभाव से इनके मध्य स्वभावगत असमानताएं विद्यमान होंगी जिससे संबंधों में तनाव रहेगा। अतः यह मिलान विशेष अनुकूल नहीं होगा।

Darsan Nayak की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति तथा टर्पीीी च्जमतपलं की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर सम एवं शत्रु राशियों में स्थित है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं रहेगी इसके प्रभाव से परस्पर संबंधों में कटुता का भाव रहेगा। एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग भी अल्प ही होगा जिससे वैवाहिक जीवन में सुख शांति की अल्पता रहेगी। साथ ही सुख दुःख में एक दूसरे को अल्प मात्रा में ही सहयोग प्रदान करेंगे तथा सदगुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। अतः ऐसी प्रवृतियों की इनको यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

Darsan Nayak और टर्पीीी च्जमतपलं की राशियां परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। अतः इनके प्रभाव से उपरोक्त प्रभावों में और भी वृद्धि होगी जिससे संबंधों में अविश्वास तथा स्वार्थ का भाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम तथा सदभावना में न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त एक दूसरे से श्रेष्ठ समझने की भी प्रवृति विद्यमान रहेगी। अतः सोच समझकर आपस में कार्य कलाप करने चाहिए।

Darsan Nayak का वश्य जलचर तथा टर्पीीी च्जमतपलं का वश्य मानव है। जलचर एवं मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Darsan Nayak और टर्पीीी च्जमतपलं की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी असमानता होगी। जिससे दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

Darsan Nayak का वर्ण ब्राह्मण तथा टर्पीीी च्जमतपलं का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में भी असमानता होगी। टर्पीीी च्जमतपलं की प्रवृति धार्मिक एवं शैक्षणिक कार्यो में रहेगी जबकि टर्पीीी च्जमतपलं की प्रवृति किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम पूर्वक करने की होगी। अतः यदा कदा मतभेदों की भी संभावना रहेगी।

धन

Darsan Nayak और टर्पीीी च्जमतपलं की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन टर्पीीी च्जमतपलं पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए दम्पति को विषमता का आभास हो सकता है।

Darsan Nayak की प्रवृति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य

व्यसनों में वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक उपार्जित धन को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

स्वास्थ्य

Darsan Nayak की नाड़ी मध्य तथा टर्प्ीेी च्ंजमतपलं की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से Darsan Nayak का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए Darsan Nayak को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Darsan Nayak और टर्प्ीेी च्ंजमतपलं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Darsan Nayak और टर्प्ीेी च्ंजमतपलं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में टर्प्ीेी च्ंजमतपलं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन टर्प्ीेी च्ंजमतपलं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में टर्प्ीेी च्ंजमतपलं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Darsan Nayak और टर्प्ीेी च्ंजमतपलं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Darsan Nayak और टर्प्ीेी च्ंजमतपलं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

टर्प्ीेी च्ंजमतपलं के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद टर्प्ीेी च्ंजमतपलं

अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से टर्पोीीं च्जमतपलं पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि टर्पोीीं च्जमतपलं अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Darsan Nayak तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Darsan Nayak के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Darsan Nayak को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Darsan Nayak के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Darsan Nayak के प्रति अनुकूल ही रहेगा।